



सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड (भारत टैक्सी) और 'उनती' (UAMMCL) के बीच ऐतिहासिक समझौता

जम्मू-कटरा कॉरिडोर से होगी सहकारी मोबिलिटी और महिला सशक्तिकरण की नई शुरुआत नई दिल्ली

जम्मू सहकारी क्षेत्र में नवाचार और सामाजिक-आर्थिक विकास को नई गति देते हुए, सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड (भारत टैक्सी) और उनती कृषि एलाइड एंड मार्केटिंग मल्टी-स्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड (UAMMCL) ने एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस रणनीतिक साझेदारी का मुख्य उद्देश्य सहकारी सिद्धांतों पर आधारित आधुनिक गतिशीलता (मोबिलिटी) सेवाओं को बढ़ावा देना और स्थानीय समुदायों के लिए सतत आजीविका के नए मार्ग प्रशस्त करना है। यह गठबंधन भारत के सहकारी आंदोलन को तकनीक के साथ जोड़कर एक पारदर्शी, सुरक्षित और समावेशी परिवहन पारिस्थितिकी तंत्र (Ecosystem) बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।



इस महत्वाकांक्षी सहयोग की औपचारिक शुरुआत जम्मू एयरपोर्ट से कटरा कॉरिडोर के बीच एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में होगी। यह मार्ग धार्मिक और पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, जहाँ यात्रियों को विश्वस्तरीय परिवहन अनुभव प्रदान करने के लिए ड्राइवरों के बड़े पैमाने पर लामबंदी (Mobilisation), त्वरित डिजिटल ऑनबोर्डिंग और उनके कौशल विकास (Capacity Building) पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस परियोजना का उद्देश्य न केवल यात्रियों के लिए निर्बाध और सुखद सेवाएं सुनिश्चित करना है, बल्कि ड्राइवरों को सहकारी ढांचे के भीतर सम्मानजनक आय और तकनीकी सहायता प्रदान करना भी है, जिससे वे बिचौलियों के प्रभाव से मुक्त होकर स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकें।

इस साझेदारी का सबसे प्रेरणादायक और महत्वपूर्ण स्तंभ 'उनती बहन' (Unati Behan) पहल का एकीकरण है। यह पहल विशेष रूप से ड्राइवर परिवारों की महिलाओं, स्वयं सहायता समूहों (SHGs), विभिन्न सहकारी नेटवर्कों और स्थानीय समुदायों की महिलाओं को केंद्र में रखकर तैयार की गई है। इसके माध्यम से इन महिलाओं को आजीविका के विविध अवसर प्रदान किए जाएंगे, जिससे वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। यह समावेशी मॉडल न केवल महिलाओं के सामाजिक स्तर को ऊपर उठाएगा, बल्कि ग्रामीण और अर्ध-शहरी अर्थव्यवस्था में उनके योगदान को भी प्रभावी ढंग से सुनिश्चित करेगा।

पायलट प्रोजेक्ट की सफलता के उपरांत, दोनों संस्थाओं की योजना इस सहकारी मोबिलिटी मॉडल को देश के अन्य प्रमुख शहरों और तीर्थस्थलों तक विस्तारित करने की है। यह साझेदारी एक ऐसे भविष्य की नींव रख रही है जहाँ तकनीक और सहकारिता मिलकर ड्राइवरों, महिला उद्यमियों और स्थानीय समुदायों के लिए समान अवसर पैदा करेंगे। अंततः, यह पहल 'सहकार से समृद्धि' के राष्ट्रीय विजन को साकार करने में सहायक सिद्ध होगी, जिससे परिवहन क्षेत्र में पारदर्शिता आएगी और अंतिम छोर तक जुड़े लोगों का आर्थिक सशक्तिकरण संभव हो सकेगा।

भारत टैक्सी (सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड)

सारथियों (ड्राइवरों) की एक बहु-राज्यीय सहकारी संस्था है, जिसकी स्थापना न्यायसंगत आय, साझा स्वामित्व और ड्राइवरों के सम्मानजनक जीवनयापन के सिद्धांतों पर की गई है। यह मंच देश की अग्रणी सहकारी संस्थाओं के सहयोग एवं समर्थन से संचालित है, जिनमें नेशनल कोऑपरेटिव डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (NCDC), इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइज़र कोऑपरेटिव लिमिटेड (IFFCO), गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (GCMME), कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड (KRIBHCO), नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (NAFED), नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट (NABARD), नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड (NDDB) तथा नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट्स लिमिटेड (NCEL) शामिल हैं।

"सहकार से समृद्धि" के विज़न से प्रेरित भारत टैक्सी एक ऐसे मोबिलिटी इकोसिस्टम के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है, जहां ड्राइवर केवल सेवा प्रदाता नहीं, बल्कि प्लेटफॉर्म के भागीदार और

सह-स्वामी भी हों। संस्था का उद्देश्य सहकारिता के माध्यम से सारथियों को आर्थिक सशक्तिकरण, बेहतर अवसर और दीर्घकालिक समृद्धि प्रदान करना है।